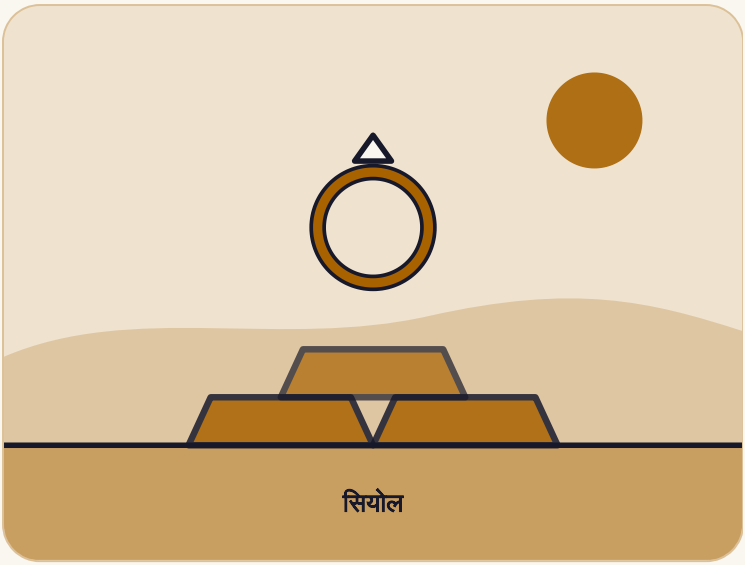

दक्षिण कोरिया

वह देश जिसने अपना सोना दे दिया

1998 में लाखों कोरियाई लोगों ने अपने देश का क़र्ज़ चुकाने में मदद के लिए शादी की अँगूठियाँ और बच्चों के तोहफ़े दे दिए।

कहाँ सियोल

कौन लाखों आम दक्षिण कोरियाई लोग, जिन्होंने 1997-98 के संकट में अपना सोना दिया

कब 1997 से 2001

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

कहानी

1997 के आख़िर में दक्षिण कोरिया के पास पैसे ख़त्म हो गए। उसकी मुद्रा गिर गई। बैंक और कंपनियाँ डूब गईं। कई लोगों की नौकरी चली गई। देश ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, यानी आईएमएफ, से मदद माँगी। आईएमएफ दुनिया का एक संगठन है जो मुसीबत में पड़े देशों को पैसे उधार देता है। उसने 58 अरब डॉलर उधार देना मंज़ूर किया।

कोरियाई लोग इसे "आईएमएफ संकट" कहते थे। सरकार को अपना क़र्ज़ चुकाने के लिए डॉलर चाहिए थे। तभी किसी की नज़र एक बात पर गई। कोरियाई परिवार घर में बहुत सोना रखते थे। विशेषज्ञों का अंदाज़ा था कि वह लगभग 20 अरब डॉलर का था।

हर हाथ से अँगूठियाँ

जनवरी 1998 की शुरुआत में एक टीवी चैनल, केबीएस, और एक बैंक ने सोना जमा करने का अभियान शुरू किया। लोग सोना बैंकों में लाते थे। वे उसे वॉन, यानी कोरिया की मुद्रा, के बदले बेच सकते थे, या दान दे सकते थे। सोने को पिघलाकर विदेश में डॉलर के लिए बेचा गया। 6 जनवरी तक लगभग 500,000 लोग जुड़ चुके थे। नौ दिन बाद दस लाख लोग जुड़ चुके थे।

लोगों ने वही दिया जो उनके लिए सबसे अहम था। नवविवाहितों ने शादी की अँगूठियाँ दीं। माँ-बाप ने अपने बच्चे के पहले जन्मदिन की सोने की अँगूठियाँ दीं। सैनिकों ने पदक दिए। एक बेसबॉल सितारे, ली जोंग-बियोम, ने अपनी सारी ट्रॉफ़ियाँ और पदक दे दिए। एक कार्डिनल, यानी कैथोलिक चर्च के बड़े पादरी, ने अपना सोने का क्रॉस दिया।

> हम बड़ी उम्र के लोगों को देश को फिर से सँभालना होगा। यह देशभक्ति है।
>
> सियोल के पास की एक दुकानदार, 1998 में Christian Science Monitor में उद्धृत

3.5 मिलियन

लोगों ने हिस्सा लिया

225

टन सोना, लगभग

2001

जिस साल आईएमएफ-समर्थित क़र्ज़ चुकाया गया, 3 साल पहले

छोटी रक़म, बड़ा संकेत

सोने की क़ीमत लगभग 2 अरब डॉलर थी। क़र्ज़ 58 अरब डॉलर का था। यानी सोने से उसका सिर्फ़ एक छोटा हिस्सा चुका।

लेकिन उसने कुछ और भी किया। उसने दिखाया कि लाखों आम लोग साथ मिलकर अपनी कोई प्यारी चीज़ छोड़ने को तैयार थे। आईएमएफ के एक अधिकारी ने केबीएस से कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं देखा था।

कोरिया ने आईएमएफ-समर्थित क़र्ज़ अगस्त 2001 में, तीन साल पहले, चुका दिए। कुछ विद्वान कहते हैं कि सोना-अभियान की गरम कहानी ने संकट के असली कारणों को भी छिपा दिया। कई मज़दूरों की नौकरियाँ चली गईं।

यह पहली बार नहीं था। 1907 में कोरिया पर जापान का राष्ट्रीय क़र्ज़ था। आदमियों ने सिगरेट पीना छोड़ दिया। औरतों ने अपने गहने बेच दिए। नब्बे साल बाद उन्होंने यही सोने के साथ फिर किया।

कब क्या हुआ

- **1907** कोरियाई लोग सिगरेट छोड़ देते हैं और राष्ट्रीय क़र्ज़ चुकाने में मदद के लिए गहने बेचते हैं।
- **1997** देश आईएमएफ से 58 अरब डॉलर का क़र्ज़ माँगता है।
- **1998** सोना-अभियान शुरू होता है। लगभग 3.5 मिलियन लोग हिस्सा लेते हैं।
- **2001** आईएमएफ-समर्थित क़र्ज़ तीन साल पहले चुका दिया जाता है।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

लोगों ने फ़ालतू सिक्के नहीं, गहरे निजी अर्थ वाली चीज़ें दीं, जैसे शादी की अँगूठियाँ और बच्चे की पहली सोने की अँगूठी।

सोने से क़र्ज़ का सिर्फ़ एक छोटा हिस्सा चुका। उसकी असली ताक़त यह नज़ारा थी कि पूरा देश साथ मिलकर दे रहा था।

हमारी राय

क़र्ज़ के सामने सोना कम था, लेकिन साझा त्याग ने लोगों को बताया कि वे अकेले नहीं हैं।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 वह दीजिए जिसका अर्थ हो

लोगों ने शादी की अँगूठियाँ और बच्चों के तोहफ़े दिए, जिन्हें वे अनमोल मानते थे।

यह आज़माएँ: अपने लिए अहम कोई एक चीज़ चुनिए और उसका एक छोटा हिस्सा किसी के साथ बाँटिए।

2 छोटे तोहफ़े जुड़ते जाते हैं

लाखों छोटे तोहफ़ों से मिलकर लगभग 225 टन सोना बना।

यह आज़माएँ: इस महीने जो तीन छोटी चीज़ें आप दे सकते हैं, उन्हें लिखिए। पहली आज ही कीजिए।

3 जुड़ना आसान बनाइए

बैंकों ने कई जगह सोना लिया। टीवी और अख़बारों ने बात फैलाई।

यह आज़माएँ: जब आप मदद माँगें, तो पहला क़दम सीधा और साफ़ रखिए।

4 जानिए कि इशारा किसलिए है

सोने से क़र्ज़ का सिर्फ़ एक छोटा हिस्सा चुका। उसकी ताक़त एकता थी।

यह आज़माएँ: कोई बड़ा इशारा करने से पहले पूछिए कि वह असल में क्या बदलेगा। असली इलाज की भी योजना बनाइए।

साथ ले जाने वाली एक बात

साथ मिलकर दिया गया छोटा तोहफ़ा, अकेले दिए गए बड़े तोहफ़े से ज़्यादा कह सकता है।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

The Christian Science Monitor
Koreans Forgo Pop Tarts to Eat Into Public Debt (1998)

The Korea Times
Century of Turbulence (41): Financial crisis in 1997-98: shock and recovery (2010)

MINING.COM
How gold came to South Korea's rescue (2016)

El Cronista
Historic: How South Korea gathered 227 tons of gold to pay its debt to the IMF (2026)

तथ्य-जाँच नोट: स्रोत मुख्य कहानी पर सहमत हैं और ब्योरों में अलग हैं। जमा हुआ सोना: लगभग 225 टन (Wikipedia, जो जनवरी में 165 टन, फ़रवरी में 53, मार्च में 5 और अप्रैल में 0.8 बताता है), 226 टन (MINING.COM) या 227 टन (El Cronista); कहानी लगभग 225 कहती है। क़ीमत: स्रोत के हिसाब से लगभग 1.8 अरब डॉलर, 2.13 अरब डॉलर, 2.17 अरब डॉलर या 2.2 अरब डॉलर; कहानी लगभग 2 अरब डॉलर कहती है। सोना 58 अरब डॉलर के क़र्ज़ का एक छोटा हिस्सा था: El Cronista इसे 3.7% बताता है; MINING.COM इसे "ऊँट के मुँह में जीरा" कहता है; कहानी सिर्फ़ "छोटा हिस्सा" कहती है। सोना कहाँ गया: Christian Science Monitor (1998) और El Cronista कहते हैं कि उसे विदेश में विदेशी मुद्रा के लिए बेचा गया; MINING.COM कहता है कि उसे पिघलाकर आईएमएफ को सौंपा गया; कहानी पहले दो को मानती है। शुरुआत: Christian Science Monitor कहता है कि अभियान जनवरी 1998 की शुरुआत में शुरू हुआ; MINING.COM 5 जनवरी बताता है; El Cronista कहता है कि 6 जनवरी तक लगभग 500,000 लोग जुड़ चुके थे और नौ दिन बाद दस लाख, जिसे कहानी दोहराती है; कहानी कहती है कि अभियान जनवरी की शुरुआत में शुरू हुआ। किसने शुरू किया: केबीएस और एक बैंक (Korea Times, El Cronista), एक पहले के महिला-समूह के अभियान के बाद (El Cronista); कहानी केबीएस और एक बैंक का नाम लेती है। लोगों की संख्या: लगभग 3.5 मिलियन (El Cronista, MINING.COM, Wikipedia में मंत्रालय का अनुमान)। MINING.COM यह भी कहता है कि यह देश की आबादी का लगभग एक चौथाई था, जो उस समय कोरिया की आबादी से मेल नहीं खाता, इसलिए कहानी इसे छोड़ देती है। घर में रखे सोने का 20 अरब डॉलर का अनुमान Korea Times और MINING.COM से है। दी गई चीज़ें (शादी की अँगूठियाँ, पहले जन्मदिन की अँगूठियाँ, पदक, एक कार्डिनल का क्रॉस) El Cronista और MINING.COM से हैं; ली जोंग-बियोम का तोहफ़ा MINING.COM से है (Wikipedia उन्हें Lee Jong-bum लिखता है); कार्डिनल और आईएमएफ अधिकारी की केबीएस से कही बात सिर्फ़ El Cronista में है। दुकानदार का उद्धरण 1998 में Christian Science Monitor से है। आईएमएफ-समर्थित क़र्ज़ अगस्त 2001 में, तीन साल पहले, चुकाया गया (El Cronista, MINING.COM, Wikipedia)। आलोचनात्मक नज़रिया, कि गरम कहानी ने असली कारण छिपाए, Wikipedia में सार रूप में दिए विद्वानों से है; नौकरियों का जाना और 1998 का छँटनी क़ानून Korea Times में हैं। 1907 का अभियान (आदमियों का सिगरेट छोड़ना, औरतों का गहने बेचना) सिर्फ़ MINING.COM से है। नक़्शे का निशान सियोल दिखाता है। "हमारी राय" वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।